Stagnation in the production of pulses

651. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that production of pulses in the country has stagnated between 11-14 million tonnes during the last three decades;

(b) whether it is also a fact that the agricultural revolution in the country did not have any impact on pulses production in the country; and

(c) if so, whether any specific plan is being drawn to push up pulses production in the country alongwith details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) The production of pulses in last three decades ranged between 8.57 million tonnes to 13.90 million tonnes (estimate for 1994-95).

(b) The improvement in production and productivity of pulses has not been spectacular as in case of other food grains and oilseeds.

(c) To increase productivity and production of pulses a Centrally Sponsored National Pulses Development Project is under implementation in 26 States/U.T. Under this project, farmers are assisted for the production and distribution of seeds, sprinklers, Rhizobial & PSB culture, improved farm implements, dal processors and storage bins etc. In addition demonstrations are also organised on the farmers' fields to propagate the improved production technology.

गुजरात में निरक्षरता उन्मूलन संबंधी कार्यक्रम

652. **श्री गोपालसिंह जी० सोलंकी:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गुजरात राज्य की जनजातियों में निरक्षरता का उन्मूलन और साक्षरता का प्रसार बढ़ाने के लिए कोई विशेष योजनाबद्ध कार्यक्रम तैयार किए हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकार के सहयोग से इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किए हैं;

(घ) क्या सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में इस कार्यक्रम को वांछनीय और अपेक्षित सफलता नहीं मिली है; और

(ङ) राज्य में निरक्षरता के उन्मूलन हेतु सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा): (क), (ख) और (ङ) सभी के लिए शिक्षा के समेकित दृष्टिकोण के अन्तर्गत, स्कूल छोड़ जाने वालों के लिए प्रारम्भिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा का सर्वसुलभीकरण तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अन्तर्गत प्रौढ़ शिक्षा के कार्यक्रम को गुजरात के आदिवासी जिलों सहित सभी राज्यों तथा संघशासित प्रशासनों में कार्यान्वित किया जा रहा है। आपरेशन ब्लैकबोर्ड की सतत योजना के अन्तर्गत सभी प्राइमरी स्कूलों को शामिल किया गया है। 15—35 आयु समूह में निरक्षरों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करने के लिए गुजरात राज्य के सभी जिलों को पूर्ण साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत शामिल किया गया है।

(ग) और (घ) साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत, वर्ष-वार लक्ष्यों का कोई निर्धारण नहीं है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का लक्ष्य आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक 15-35 वर्ष की आयु वर्ग में 100 मिलियन लोगों को साक्षर बनाना है। तथापि, जिलों में सर्वेक्षण के माध्यम से पता लगाए गए सभी संभावी शिक्षुओं को शामिल करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में जूनागढ़ जिले को छोड़कर कच्छ तथा सौराष्ट्र क्षेत्र में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर ली है।

Financial Irregularities Committeed by IGNOU

653. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the Joint forum of teaching and non-teaching staff of the Indira

Gandhi National Open University (IGNOU) have submitted a Memorandum to Government about the financial irregularities committed by the University authorities; and

(b) if so, the action proposed to be taken by Government in the matter?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) and (b) Yes, Sir. the matter is under examination.

इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी की उत्पादन-क्षमता

654. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (ईस्को) की वर्तमान उत्पादन क्षमता क्या है और इसके संयंत्र का वर्तमान मूल्य क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने इसे निजी क्षेत्र को सौंपने का निर्णय किया है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) इस्को की विक्रेय इस्पात की अनुमानित क्षमता 4,06,000 टन वार्षिक है। 31.3.95 को ऐतिहासिक लागत के अनुसार इस्को की अचल परिसम्पत्तियों और चल रहे "पूंजीगत कार्यों का खाता" मूल्य निम्नलिखित है:—

(करोड़ रुपए)

(i)	सकल अचल परिसम्पत्तियां	643.70	
	घटाएं: मूल्य ह्रास	368.36	275.34
(ii)	चल रहे पूंजीगत कार्य		291.44
			कुल: 566.78

(ख) जी, नहीं। रुग्ण औद्योगिक कम्पनी (विशेष उपबन्ध) अधिनियम, 1985 (यथा संशोधित, फरवरी, 1994) की शर्तों के अनुसार इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड (इस्को) एक रुग्ण औद्योगिक कम्पनी बन गई तथा कम्पनी के निदेशक मंडल ने अधिनियम की धारा-15 के तहत अपेक्षितानुसार कम्पनी के संबंध में अपनाए जाने वाले उपाय निर्धारित करने के लिए 22 जून, 1994 को औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड को भेज दिया है।

इसलिए इस्को के आधुनिकीकरण के संबंध में शुरू की जाने वाली कोई भी योजना इसके बारे में औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के आदेशों के अनुसार होनी चाहिए।

Financial Assistance by World Bank for Agricultural Sector

655. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 4884 given in the Rajya Sabha on the 5th May, 1995 and state:

(a) whether the entire funds received by the Gujarat State from the World Bank for agricultural sector during the last three years have been utilised; and

(b) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) Yes, Sir. The entire funds received by the Gujarat State from the World Bank for the agricultural sector during the last three